स्वर्ण दिल्ली

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 241 नई दिल्ली

रविवार, 06 अक्टूबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

भारत ने वीएसएचओआरएडीएस मिसाइल का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली। भारत ने राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में बहुत ही कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के तीन सफल परीक्षण किये।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना को वीएसएचओआरएडीएस (वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम) की चौथी पीढ़ी के सफल परीक्षण के लिए बधाई दी।

सिंह के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के आधिकारिक हैंडल से जारी पोस्ट में कहा, ''डीआरडीओ ने पोखरण से चौथी पीढ़ी की तकनीकी रूप से उन्नत लघु हथियार प्रणाली वीएसएचओआरएडीएस के तीन उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किए हैं।''

सिंह ने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस यह नई मिसाइल हवाई खतरों के खिलाफ सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से और दक्ष बनाएगी।

वीएसएचओआरएडीएस व्यक्ति द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में सक्षम वायु रक्षा प्रणाली है जिसे अनुसंधान केंद्र 'इमारत' (आरसीआई) द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि मिसाइल में लघु प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (आरसीएस) और एकीकृत वैमानिकी सहित कई नवीन प्रौद्योगिकियां शामिल हैं और परीक्षणों के दौरान इसकी सटीक मारक क्षमता सिद्ध हो चुकी है।

गलत सूचना से राष्ट्र के ताने-बाने को नुकसान : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गलत सूचना, सनसनीखेज और राष्ट्रविरोधी बयानों से उत्पन्न खतरों पर चिंता व्यक्त करते हुए मीडिया से इन खतरों का मुकाबला करने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने का आह्वान किया है।

श्री धनखड़ ने शनिवार को यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गलत सूचना और सनसनीखेजता राष्ट्र के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति ने संपादकीय स्थान को लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में काम करना चाहिए और प्रौद्योगिकी के युग में जिम्मेदार रिपोर्टिंग की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने तेजी से बदलती तकनीकी उथल-पुथल के दौर में जिम्मेदार मीडिया की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने सार्वजनिक संवाद की शुचिता को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, कि संपादकीय को जनता को सूचित और संवेदनशील बनाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी बना रहे। उन्होंने कहा, "झूठे बयान और सनसनीखेज बातें भले ही रोचक हों, लेकिन वे राष्ट्र के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाती हैं। मीडिया को इन ताकतों को बेअसर करना चाहिए और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए।"

राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए श्री धनखड़ ने मीडिया से पूर्वोत्तर के लिए राजदूत के रूप में काम करने और इसकी पर्यटन क्षमता और विकासात्मक प्रगति को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूर्वोत्तर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि संस्कृतियों, परंपराओं और प्राकृतिक सुंदरता का एक जीवंत दृश्य है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड, स्विटजरलैंड और स्कॉटलैंड को एक साथ रख दें, तो भी पूर्वोत्तर की समृद्धि से पीछे रह जाएंगे। क्षेत्र का प्रत्येक राज्य आगंतुकों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए स्वर्ग है। उन्होंने पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए किए गए महत्वपूर्ण कदमों पर जोर दिया और इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ा बदलाव बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक्ट ईस्ट नीति देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भारत से आगे जाकर दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ गहरे संबंधों को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि यह नीति एक 'गेम चेंजर' साबित होगी, जो इस क्षेत्र के साथ गहरे सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देगी।

पश्चिम बंगाल में नाबालिग लड़की का शव नहर में मिला, भाजपा ने कहा- ममता राज में बेटियां असुरक्षित

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चौथी कक्षा की एक लड़की का शव नहर में मिलने के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। इसको लेकर भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। भाजपा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बेटियां असुरक्षित हैं। यहां दुष्कर्मियों को तृणमूल सरकार से संरक्षण मिल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया से कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में मां, माटी, मानुष या महिला के लिए कोई 'ममता' नहीं है। आज बेटियां असुरक्षित हैं और केवल दुष्कर्मियों को ही ममता सरकार का पूरा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आरजी कर मामले से लेकर दर्जनों मामले अब तक हमने देखे हैं कि कृपाखाली इलाके में एक 11 साल की हिंदू लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गयी। पुलिस ने कुछ निहित स्वार्थों और वोट बैंक से संबंधित उद्देश्यों के चलते परिवार वालों की शिकायत नहीं ली। अब ममता बनर्जी के जाने का समय आ गया है क्योंकि जब तक वे वहां हैं, तृणमूल कांग्रेस केवल दुष्कर्मियों को संरक्षण देगी। दक्षिण 24 परगना जिले के लोगों का आरोप है कि कृपाखाली में ट्यूशन से घर लौटते समय लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक करने पर लगी रोक के प्रति भाजपा का क्या रुख है: कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को बढ़ाने पर उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक के विषय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का क्या रुख है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री इस मामले पर रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए हैं। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महाराष्ट्र दौरे का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जाति जनगणना और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं ओबीसी के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने पर उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक के मुद्दे पर भाजपा का क्या रुख है?''

उन्होंने दावा किया कि जब राहुल गांधी जाति जनगणना और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए निर्धारित 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को जोरदार ढंग से उठा रहे हैं तब प्रधानमंत्री इस मामले पर रहस्यमई चुप्पी साधे रहते हैं।''

हमने अपना धैर्य खो दिया है : उच्चतम न्यायालय ने प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड में देरी पर कहा

नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रवासी श्रमिकों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा राशन कार्ड मुहैया करने में देरी को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि ''हमने अपना धैर्य खो दिया है।''

न्यायमूर्ति सुधांशु धुलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानउल्लाह की पीठ ने केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 19 नवंबर तक इस सिलसिले में आवश्यक कदम उठाने का अंतिम मौका दिया है।

पीठ ने कहा, ''हमने अपना धैर्य खो दिया है, हम यह पूरी तरह से स्पष्ट कर रहे हैं कि और उदारता नहीं बरती जाएगी।'' न्यायालय ने कहा, ''हम आपको हमारे आदेश का पालन करने के लिए एक आखिरी मौका दे रहे हैं, अन्यथा आपके सचिव को उपस्थित होना होगा।''केंद्र की ओर से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को बताया कि अंत्योदय अन्न योजना के तहत प्राथमिकता वाले प्रत्येक परिवार को केवल एक राशन कार्ड जारी किया जाता है।

शीर्ष अदालत कोविड महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों को पेश आईं समस्याओं और दशा का संज्ञान लेने के बाद, 2020 में दर्ज स्वतः संज्ञान वाले एक मामले की सुनवाई कर रही है। न्यायालय ने इससे पहले, केंद्र से एक हलफनामा दाखिल कर प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड प्रदान करने और उनके लिए अन्य कल्याणकारी कदम उठाने के संबंध में 2021 के फैसले और उसके बाद के निर्देशों के अनुपालन के बारे में विवरण देने को कहा था।

शीर्ष अदालत ने 29 जून 2021 के फैसले और उसके बाद के आदेशों में प्राधिकारों को कई निर्देश जारी कर उनसे कल्याणकारी उपाय करने को कहा था, जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान समस्याओं का सामना करने वाले सभी प्रवासी श्रमिकों को 'ई-श्रम' पोर्टल पर पंजीकृत राशन कार्ड देना भी शामिल है।

RNI No. DELHIN/2013/48040 संपादकः सुषमा शर्मा newsswarnadelhi@gmail.com

सम्पादक की कलम से

हरियाणा में बदलाव का चुनाव

जम्मू-कश्मीर में मतदान हो चुका है, जो ऐतिहासिक और शांत रहा। अब दोनों का ही जनादेश 8 अक्तूबर को सार्वजनिक किया जाएगा। ये जनादेश प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता की निरंतरता और भाजपा के वर्चस्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। दीपावली के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार का ही शासन है। अब यह संघशासित क्षेत्र है, जहां २014 के बाद अब चुनाव कराए गए हैं। हरियाणा में २014 से ही भाजपा की सत्ता है। इन 10 सालों में राजनीतिक और चुनावी समीकरण बिल्कुल बदल गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास करते हुए जाट, दलित, ओबीसी समुदायों ने २014 और २019 के चुनावों में भाजपा के पक्ष में जो समर्थन और वोट दिए थे, अब २०२४ के लोकसभा चुनाव तक बिल्कुल पलट गए हैं। ये समर्थन और मतदान करीब आधे रह गए हैं। हरियाणा में जाट सर्वाधिक २5 फीसदी से अधिक हैं, जबकि दलित आबादी २1 फीसदी है। ये सबसे ताकतवर समुदाय हैं, जो हरियाणा के जनादेश की दशा और दिशा तय कर सकते हैं। इनके अलावा, कोई अन्य समुदाय इतना एकजुट नहीं है। हरियाणा में इन 10 सालों में कोई जाट मुख्यमंत्री नहीं रहा, यह आश्चर्यजनक तथ्य है। हालांकि २019 में भाजपा ने 'जननायक जनता पार्टी' (जेजेपी) के गठबंधन में सरकार बनाई थी, लिहाजा जेजेपी के नेता दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था, लेकिन वह जाटों के 'प्रतीकात्मक प्रतिनिधि' ही थे। इस बार जाट अपना मुख्यमंत्री बनाने के मूड में हैं। भाजपा के मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ओबीसी नेता हैं, लिहाजा अधिकतर जाट समुदाय भाजपा के खिलाफ ही रहेगा। चूंकि किसान, जवान (अग्निवीर) और पहलवान इन चुनावों के बुनियादी मुद्दे रहे हैं और ये तीनों क्षेत्र जाटों के करीब हैं। खेती में तो 70 फीसदी से ज्यादा जाट ही काम करते हैं। इस तरह जो भी चुनावी ध्रुवीकरण होगा, वह भाजपा-विरोधी हो सकता है। इनके अलावा, बेरोजगारी, सत्ता-विरोधी रुझान, जातीय समीकरण और विभाजन, पेंशन आदि ऐसे मुद्दे हैं, जो हरियाणा के चुनाव को निश्चित तौर पर प्रभावित करेंगे। हरियाणा में बेरोजगारी बेहद उत्तेजक और उन्मादी मुद्दा है। प्रदेश में २ लाख तो सरकारी नौकरियां ही खाली नहीं हैं, लेकिन राजनीतिक दल आश्वासन बांट रहे हैं। चुनाव जीतने के लिए 'मुफ्तखोरी' की योजनाएं भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही खूब घोषित की हैं और टीवी चैनलों पर रात-दिन विज्ञापन भी चलते रहे हैं। शायद हरियाणा का औसत मतदाता इस तथ्य से अनभिज्ञ है कि राज्य पर २.70 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। चुनाव के बाद सरकार किस-किस को मुफ्त में हजारों रुपए बांटेगी? मुफ्तखोरी के लिए पैसा कहां से आएगा? बेशक सरकार के सामाजिक दायित्व भी होते हैं। उसे दबे-कुचले, अपाहिज तबके की मदद करनी होती है।

सुषमा शर्मा

विनाश का कारण बन सकती है उन्नत तकनीक

लेबनान में हजारों पेजरों और उसके बाद वाकी टाकी रेडियो, लैपटॉप और और सोलर उपकरणों में में एक साथ हुए धमाकों ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इन धमाकों में 30 से ज्यादा मौतें हुईं और 3000 से ज्यादा लोग गंभीर रुप से घायल हैं। इसे आतंकी संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ इजरायली सुरक्षा एजेंसी मोसाद का आपरेशन माना जा रहा है। तकनीक पर निर्भर व्यवस्थाएं चिंतित हैं। अगर यह संभव है तो जाने और कितना कुछ भी संभव होगा जिसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

नई तकनीकों के समंदर में गोते लगा रही युवा पीढ़ी तो शायद जानती भी न हो कि पेजर है क्या? 80 के दशक में आया यह संचार माध्यम मोबाइल के आने से जल्द विदा हो गया। भारत में तो इसके आगमन प्रस्थान की भनक भी नहीं लगी। जीपीएस मोबाइल की तुलना में पेजर की बेहद बेसिक तकनीक इसकी ट्रैकिंग मुश्किल बनाती है। संभवतः इसीलिए इजरायली एजेंसियों द्वारा ट्रेस किए जाने से बचने के हिजबुल्ला ने इस पुरानी तकनीक पर निर्भर होना ठीक समझा। बहरहाल यह आश्वस्ति झूठी ही साबित हुई है।

धमाकों के पीछे पहली थ्योरी यह है कि इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल की फ्रीक्वेंसी हैकिंग से पेजर में लगी लिथियम बैटरी का टैंपरेचर बढ़ाकर ये धमाके किए गए। दूसरी थ्योरी के अनुसार हिजबुल्ला ने यह पेजर ताईवानी कंपनी गोल्ड अपोलो से खरीदे थे जिनकी बैटरी के साथ मोसाद ने विस्फोटक प्लांट कर दिए। एक संदेश ने विस्फोटक एक्टिवेट किया और हजारों पेजर एक साथ फट गए। हिजबुल्ला इस त्रासदी से उबर भी नहीं पाया था कि सैकड़ों वाकी-टाकी उपकरणों, लैपटॉप और यहां तक कि सोलर उपकरणों में भी ऐसे ही धमाके हुए। ताजातरीन खबरें तो यह हैं कि एक बेहद खुफिया और सोचे समझे तरीके से इजराइल ने एक फर्जी कंपनी के माध्यम से यह पेजर खुद बनाकर गोल्ड अपोलो कंपनी को सप्लाई किए जो अंततः हिजबुल्ला के सदस्यों तक पहुंचे। हमास के सुप्रीम कमांडर इस्माइल हानियां की इजरायल के दुश्मन नंबर एक ईरान की राजधानी तेहरान में हुई हत्या भी तकनीक के दम पर ही संभव हुई थी।

इस घटना से उपजी चिंताएं भयावह हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) तकनीक ने साईबर पहुंच को उपयोग की लगभग हर वस्तु तक पहुंचा दिया है। इस तकनीक से बिजली, मोटर वाहन, सुरक्षा और निगरानी, स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि, स्मार्ट होम और स्मार्ट सिटी जैसे बुनियादी ढाँचे को उन्नत किया जा रहा है। उपभोक्ता भी चाहता है कि दैनिक उपयोग की हर वस्तु हर वक्त उसकी पहुंच हो। कंपनियां इस कमजोरी का फायदा उठाकर हर उपभोक्ता उपकरण में यह तकनीक अपना रही हैं। कंपनियों को छुपा फायदा यह भी है कि उन्हें मार्केटिंग के लिए महत्वपूर्ण डाटा फ्री मिल रहा है जिसका उपयोग वे न सिर्फ खुद करती हैं बल्कि उसे बेचकर पैसा भी कमाती हैं। अनुमान है कि 2025 तक वैश्विक स्तर पर लगभग 11.4 बिलियन उपभोक्ता और 13.3 बिलियन इंटरप्राइजेज़ आई.ओ.टी. डिवाइस से युक्त होंगे और साईबर हमलों की पहुंच में होंगे। इनमें मोबाइल, कार, स्मार्ट वॉच, हैल्थ मानीटर, फ्रिज, टीवी, एयर कंडीशनर समेत पेसमेकर जैसे बैटरी से चलने और शरीर के अंदर लगाए जाने वाले मेडिकल उपकरण भी शामिल हैं। पेजर धमाके बताते हैं कि ऐसे किसी भी उपकरण को बम में तब्दील करना संभव है। अधिसंख्य लोग मोबाईल से निकलने वाले घातक रेडिएशन के खतरे से अपरिचित होंगे। विभिन्न देशों में इस रेडिएशन लिए अलग-अलग सीमाएं तय हैं। क्या तकनीक के बल पर इस रेडिएशन को जानलेवा घातक स्तर तक बढ़ाया जा सकता है? अगर हां तो यह खतरे की एक और घंटी है।

यूक्रेन युद्ध का प्रारंभिक अनुमान था कि ताकत के दम पर रूस इसे कुछ ही दिनों में खत्म कर देगा। सारे अनुमान गलत साबित हुए और लगभग दो साल का लंबा समय बीतने के बावजूद यह अब भी जारी है। पश्चिमी देशों द्वारा दिए गए उन्नत तकनीकी उपकरणों के दम पर यूक्रेन न सिर्फ युद्ध में बना हुआ है बल्कि उसने रुस जैसे ताकतवर देश को गहरा नुकसान भी पहुंचाया है। इजरायल की हमास तथा हिजबुल्ला जैसे आतंकवादी संगठनों के साथ चलने वाली लंबी लड़ाई भी तकनीक के प्रयोग से निर्णायक स्थिति में पहुंचती दिख रही है। जाहिर है, भविष्य के युद्ध सेनाओं और हथियारों नहीं बल्कि वातानुकूलित कक्षों में तकनीक के दम पर लड़े जाएंगे। साईबर हमलों की ऐसी श्रंखला युद्धों और आतंकवादी गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रहेगी। ऐसे एक हमले से किसी भी देश की पूरी आर्थिक और जनोपयोगी व्यवस्था छिन्न-भिन्न कर उसे पंगु बनाया जा सकता है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि वैश्विक सुरक्षा की भी सबसे महत्वपूर्ण आधुनिक चुनौतियों में से एक है। राज्य विशेष या आतंकवादी समूह के हाथ में पहुंचकर ऐसी तकनीक कितनी विध्वंसक हो सकती है, सोच कर ही सिहरन होती है। बुनियादी ढांचे या सैन्य रसद नेटवर्क को नष्ट करने के लिए किया गया साईबर हमला कभी भी अंतरराष्ट्रीय संकट साबित हो सकता है। परमाणु अप्रसार संधि की तर्ज पर ऐसी अंतरराष्ट्रीय सहमति जरूरी है जो इसका नियमन करे। प्रयास हो तो रहे हैं मगर प्रगति धीमी है। अगर लेबनान में हुए धमाकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस विषय पर और शीघ्रता से सोचने पर मजबूर किया तो यह त्रासदी से सबक सीखने की अच्छी बानगी होगी।

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km

Home Delevery
8700965740, 9871558873, 9212598873
Spl. In Outdoor Catering

S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
Prince Realtech & Developers

SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden, New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013, 41447298, 25446671

(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School, Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका ज्योतिष शोध संस्थान

ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब, पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष, ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

Thirak Fitness Classes

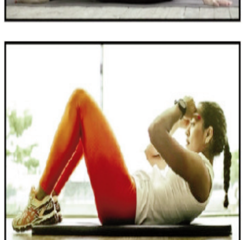

Be Healthy
Learn YOGA

WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178
• Yoga with Zumba
• Exercise
• Dumble Exercise
• Stepper Exercise
• Abs Workout
• Meditation
• Pranayam

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश

कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

डीआरडीओ ने पोखरण में बहुत कम दूरी की मिसाइल के तीन सफल परीक्षण किए

दुश्मन के यान, विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को भागने या बचने का मौका ही नहीं मिलेगा

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पोखरण से चौथी पीढ़ी की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइल के तीन सफल उड़ान परीक्षण किए हैं। यह एयर डिफेंस सिस्टम रूस के एस-400 की तरह ही है। इससे दुश्मन के यान, विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को भागने या बचने का मौका ही नहीं मिलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को डीआरडीओ और भारतीय सेना को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों से लैस यह नई मिसाइल सशस्त्र बलों को हवाई खतरे के खिलाफ और अधिक तकनीकी बढ़ावा देगी।

वीएसएचओआरएडीएस का वजन 20.5 किलोग्राम होता है। इसकी लंबाई करीब 6.7 फीट और व्यास 3.5 इंच है। यह अपने साथ 2 किलोग्राम वजन का हथियार ले जा सकता है। इसकी रेंज 250 मीटर से 6 किलोमीटर है। अधिकतम 11,500 फीट तक जा सकता है। अधिकतम गति मैक 1.5 है, यानी 1800 किमी प्रतिघंटा। इससे पहले इसकी टेस्टिंग पिछले साल मार्च में और 2022 में 27 सितंबर को की गई थी। उच्च गति वाले मानव रहित हवाई लक्ष्यों के खिलाफ ग्राउंड-बेस्ड मैन पोर्टेबल लॉन्चर से उड़ान परीक्षण के दौरान मिसाइल ने विमान के पास आने और पीछे हटने की नकल की। मिसाइल ने मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा करते हुए लक्ष्यों को मिसाइलों ने अवरुद्ध करके उन्हें नष्ट कर दिया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार कहीं पर भी ले जाने में सक्षम वायु रक्षा प्रणाली (एमएएनपीएडी) को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की प्रयोगशालाओं में भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने स्वदेशी रूप से तैयार और विकसित किया है। इस बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली की इस मिसाइल को दोहरी थ्रस्ट सॉलिड मोटर से संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य सीमित दूरी से कम ऊंचाई पर उड़ने वाले हवाई उपकरणों के खतरों को बेअसर करना है। उड़ान परीक्षणों को भारतीय सेना के अधिकारियों, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और रक्षा उद्योग जगत भागीदारों की उपस्थिति में पूरा किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए इसमें शामिल रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, भारतीय सेना और रक्षा उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस यह नई मिसाइल प्रणाली हमारे सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से और अधिक सुसज्जित कर देगी। रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव एवं रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष ने भी मिसाइल के डिजाइन तथा विकास कार्य में शामिल पूरी टीम को बधाई दी।

मौत के बाद भी सरोगेसी के माध्यम से बच्चा पैदा करने पर कानूनी रोक नहीं: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। मृत व्यक्ति के स्पर्म से सरोगेसी से बच्चा पैदा करने पर कानूनी रोक नहीं है। इस आशय का फैसला दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया है। दरअसल, मामला ये था कि सर गंगाराम अस्पताल को एक मृत व्यक्ति के फ्रीज कराए गए स्पर्म को अस्पताल ने देने से इनकार कर दिया था। जब मामला अदालत में पहुंचा तो कोर्ट स्पर्म सौंपने का आदेश देते हुए साफ कहा कि इससे सरोगेसी से बच्चा पैदा करने पर कोई कानूनी रोक नहीं है।

इस मामले की शुरुआत कैंसर से पीड़ित बेटे की कीमोथेरेपी शुरू होने से पहले 2020 में उसके वीर्य के नमूने को फ्रीज करवाने से हुई थी। क्योंकि डॉक्टरों ने बताया था कि कैंसर के इलाज से बांझपन हो सकता है। इसलिए उनके बेटे ने जून 2020 में अस्पताल की आईवीएफ लैब में अपने स्पर्म को फ्रीज करने का फैसला किया था। जब मृतक के माता-पिता ने वीर्य का नमूना लेने के लिए अस्पताल से संपर्क किया तो अस्पताल ने कहा कि अदालत के उचित आदेश के बिना नमूना जारी नहीं किया जा सकता। अदालत ने 84 पेज के फैसले में कहा कि याचिका में संतान को जन्म देने से संबंधित कानूनी व नैतिक मुद्दों समेत कई महत्वपूर्ण मसले उठाए गए हैं। अदालत ने कहा, "माता-पिता को अपने बेटे की अनुपस्थिति में पोते-पोती को जन्म देने का मौका मिल सकता है। ऐसे हालात में अदालत के सामने कानूनी मुद्दों के अलावा नैतिक, आचारिक और आध्यात्मिक मुद्दे भी होते हैं।"

मौत के बाद प्रजनन का मतलब एक या दोनों जैविक माता-पिता की मृत्यु के बाद सहायक प्रजनन तकनीक (सरोगेसी) का उपयोग करके गर्भधारण की प्रक्रिया से है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह ने इस तरह के पहले निर्णय में कहा, वर्तमान भारतीय कानून के तहत, यदि स्पर्म या ऐग के मालिक की सहमति का सबूत पेश किया जाता है, तो उसकी मौत के बाद प्रजनन पर कोई रोक नहीं है।अदालत ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय इस निर्णय पर विचार करेगा कि क्या मौत के बाद प्रजनन या इससे संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए किसी कानून, अधिनियम या दिशा-निर्देश की आवश्यकता है।अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए सर गंगाराम अस्पताल को निर्देश दिया कि वह दंपती को उनके मृत अविवाहित बेटे के संरक्षित रखे गए स्पर्म उन्हें तत्काल प्रदान करें, ताकि सरोगेसी के माध्यम से उनका वंश आगे बढ़ सके।

इस बार क्वाड देशों के बीच समुद्री अभ्यास मालाबार की मेजबानी करेगा भारत

▶▶ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की नौसेनाओं के साथ 08 अक्टूबर को शुरू होगा अभ्यास

नई दिल्ली। क्वाड देशों के बीच विशाखापट्टनम में 08 अक्टूबर को भारत की मेजबानी में समुद्री अभ्यास मालाबार शुरू होगा, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की नौसेनाएं हिस्सा लेंगी। इस समुद्री अभ्यास की शुरुआत विशाखापट्टनम में बंदरगाह चरण से होगी और उसके बाद समुद्री चरण होगा। हिंद महासागर और भारत-प्रशांत क्षेत्र में साझा समुद्री चुनौतियों का समाधान करने के मकसद से दो चरणों में यह नौसैन्य अभ्यास 18 अक्टूबर तक चलेगा।

मालाबार अभ्यास 1992 में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारतीय नौसेना के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास के रूप में शुरू हुआ था, जो अब प्रमुख बहुपक्षीय कार्यक्रम के रूप में विकसित हो गया है। इसका उद्देश्य अंतर-संचालन को बढ़ाना, आपसी समझ को बढ़ावा देना है। इस अभ्यास में विभिन्न भारतीय नौसेना प्लेटफॉर्म शामिल होंगे, जिसमें गाइडेड मिसाइल विध्वंसक, बहुउद्देश्यीय फ्रिगेट, पनडुब्बी, फिक्स्ड विंग एमआर, लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने एमएच-60आर हेलीकॉप्टर और पी-8 समुद्री गश्ती विमान के साथ एक एन्ज़ैक क्लास फ्रिगेट एचएमएएस स्टुअर्ट को तैनात करेगा। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना अपने इंटीग्रल हेलीकॉप्टर और पी-8 समुद्री गश्ती विमान के साथ एक आर्ले बर्क-क्लास विध्वंसक यूएसएस डेवी को तैनात करेगी।

जापान एक मुरासामे-क्लास विध्वंसक जेएस अरियाके के साथ अभ्यास में शामिल होगा। सभी चार देशों के विशेष बल भी अभ्यास में भाग लेंगे। मालाबार अभ्यास में सहयोग और परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें विषय वस्तु विशेषज्ञ विनिमय के माध्यम से विशेष संचालन, सतह, वायु और पनडुब्बी रोधी युद्ध पर चर्चा शामिल है। जटिल समुद्री अभियान जैसे पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह युद्ध और वायु रक्षा अभ्यास समुद्र में आयोजित किए जाएंगे, जिसमें समुद्री क्षेत्र में स्थितिजन्य जागरुकता में सुधार पर जोर दिया जाएगा। बंदरगाह चरण के दौरान 09 अक्टूबर को एक विशिष्ट आगंतुक दिवस की योजना बनाई गई है, जिसके दौरान चारों देशों के प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर करेंगे। यह मालाबार अभ्यास अब तक का सबसे व्यापक होने की उम्मीद है, जिसमें जटिल परिचालन परिदृश्य शामिल होंगे।

कलर्ड हेयर को शैम्पू करते समय इन टिप्स का रखें ध्यान

अपने लुक को चेंज करने के लिए अक्सर हम अपने बालों को कलर करवाना पसंद करते हैं। इससे आप बोल्ड ट्रांसफॉर्मेशन से लेकर हल्के हाइलाइट्स तक करवा सकते हैं। यह सच है कि कलर्ड हेयर देखने में बहुत अच्छे लगते हैं। लेकिन अक्सर यह देखने में आता है कि कलर्ड हेयर का रंग जल्द ही फीका हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हम गलत शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं या फिर बालों को गलत तरीके से वॉश करते हैं। जिससे उनका रंग उड़ जाता है और वे फीके व बेजान नजर आते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि कलर्ड बालों की देखभाल करने के लिए आपको खास शैम्पू इस्तेमाल करने की जरूरत होती है। लेकिन इसके अलावा भी आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

कलर सेफ शैम्पू का करें चयन

आप सल्फेट फ्री और कलर सेफ शैम्पू का चयन करें। सल्फेट आपके बालों का रंग तेज़ी से हटा सकता है, जिससे आपके बाल बेजान हो सकते हैं। आजकल मार्केट में कलर बालों के लिए विशेष रूप से शैम्पू मिलते हैं।

बार-बार ना करें वॉश

अक्सर यह देखने में आता है कि हम अपने बालों को हर दूसरे दिन धोने लगते हैं, लेकिन आपको यह समझना चहिए कि बालों को जितना ज़्यादा आप धोएँगे, रंग उतनी ही तेज़ी से फीका पड़ेगा। अपने बालों को हफ़्ते में 2 से 3 बार धोएं और ज़रूरत पड़ने पर आप धोने के बीच में ड्राई शैम्पू का इस्तेमाल करें।

ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

अक्सर बालों को क्लीन करते हुए हम गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर आपके बाल कलर्ड हैं तो आपको ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों के क्यूटिकल को खोल देता है, जिससे रंग आसानी से निकल जाता है। इसलिए, आप क्यूटिकल को सील करने और अपने रंग को बनाए रखने में मदद करने के लिए अपने बालों को गुनगुने या ठंडे पानी से धोएं।

क्लींजिंग शैंपू से बचें

क्लींजिंग शैंपू बिल्डअप से छुटकारा पाने के लिए बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन ये रंगे बालों पर कठोर हो सकते हैं। ये शैंपू कलर को हटा सकते हैं, इसलिए इनका कम इस्तेमाल करना या इनका इस्तेमाल बिल्कुल न करना ही अच्छा माना जाता है।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है नवरात्र में उगाई जाने वाली ज्वार की घास

नवरात्रि में पर्व के दौरान हर घरों में जवारे यानी ज्वार जरुर बोए जाते हैं। 9 दिनों के व्रत के बाद दशहरे की पूजा में इस घास के रखा जाता है। जब मां दुर्गा का विर्सजन के बाद इसे बांटते भी है। धार्मिक महत्व से हटकर वीटग्रास यानी गेहूं की घास सेहत के लिए काफी बेहतर माना जाता है। वीटग्रास को सुपरफूड भी माना जाता है। जो एनर्जी के साथ इम्यूनिटी भी बूस्ट करता है। वीटग्रास का जूस पीने से सेहत को मिलते हैं कई फायेद

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

वीटग्रास सुपरफड होता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर्स काफी मात्रा में होते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, एंजाइम्स, मैग्नीशियम, फाइटोन्यूट्रिएंट्स, अमीनोएसिड्स, विटामिन ए, सी,ई, के और बी कॉम्प्लैक्स, क्लोरोफिल और प्रोटीन्स होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज में फायदेमंद

रिसर्च के मुताबिक, वीटग्रास में जरुरी अमीनो एसिड्स होते हैं। हाई क्वॉलिटी प्रोटीन होता है। ज्वार की घास डाइजेशन में मदद करता है। कोलेस्ट्रॉल भी कम करता है। वीटग्रास एनर्जी देता है और डायबिटीज के इलाज में भी उपयोगी माने जाते है।

कैंसर से बचाता

अगर लंबे समय से शरीर में इंफ्लेमेशन बना रहे तो यह कैंसर, हार्ट डिसीज और डायबिटीज जैसी बीमारियों को जन्म देता है। वीटग्रास बॉडी के इन्फ्लेमेशन को खत्म करती है। शोध के मुताबिक रिसर्च में सामने आया था कि वीटग्रास में काफी स्ट्रॉन्ग एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कैंसर से बचाव करता है।

ध्यान रखें कि प्रेग्नेंसी, एलर्जी या ग्लूटेन इंटॉलरेंस है तो बिना डॉक्टर की सलाह के वीटग्रास का जूस न पिएं।

BDS since 1975
MATTRESS HI MATTRESS
Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic

BDS
Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015
Ms. Parvinder Kaur
9560509507

टीम संयोजन की खामियां दूर करके पाकिस्तान से भिड़ना होगा भारत को

दुबई। पहले मैच में न्यूजीलैंड से करारी हार से आहत भारत को अगर महिला टी20 विश्व कप में अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसे पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में टीम संयोजन की अपनी खामियों को दूर करना होगा।

भारतीय टीम को शुक्रवार को अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है और इससे उसके लिए आगे के सभी मैच बेहद महत्वपूर्ण बन गए हैं।

भारत का नेट रन रेट अच्छा नहीं है और उसके लिए अब पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मैचों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल के तीनों विभाग में खराब प्रदर्शन किया। उसके पास अब समय नहीं है और उसे जल्द से जल्द अपनी कमजोरियों को दूर करना होगा।

यह काम इतना आसान नहीं है क्योंकि उसका सामना अब पाकिस्तान से है जिसने पहले मैच में श्रीलंका को हराया था।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले भारत को टीम संयोजन में सुधार करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ अरुंधति रेड्डी के रूप में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने के लिए भारत को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा।

इस वजह से हरमनप्रीत को तीसरे, जेमिमा रोड्रिग्स को चौथे और रिचा घोष को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा जबकि अमूमन वे इन स्थानों पर

बल्लेबाजी नहीं करते हैं।

भारत का तीन तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का फैसला सही साबित नहीं हुआ क्योंकि पिच में नमी नहीं थी और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आसानी से उनका सामना किया। भारत इस कारण अपने तेज गेंदबाजों का पूरा उपयोग नहीं कर पाया जिसका उदाहरण पूजा वस्त्राकर हैं जिन्होंने केवल एक ओवर किया।

तीन तेज गेंदबाजों के साथ खेलने के कारण भारत को बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव को बाहर करना पड़ा और मैच के दौरान उनकी काफी कमी खली।

भारत के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसकी तरफ से सर्वोच्च स्कोर 15 रन था जो हरमनप्रीत ने बनाया था। भारत अब अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए दयालन हेमलता को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है।

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ शानदार रिकार्ड रहा है। इन दोनों टीम के बीच जो 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं उनमें से भारत ने 12 मैच में जीत दर्ज की है।

भारत हालांकि अपने इस प्रतिद्वंद्वी को हल्के से लेने की गलती नहीं कर सकता जिसका गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। पाकिस्तान के पास अनुभवी निदा डार, कप्तान फातिमा सना और सादिया इकबाल जैसे अच्छे गेंदबाज हैं।

युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर देंगे : मार्श

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों जेवियर बार्टलेट, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली और जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने जिस प्रकार इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उसे देखकर काफी खुशी हुई है। साथ ही कहा कि इस युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर मिलेगा। अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण टी20 सीरीज में इन युवाओं को अवसर मिला था जिसमें इन्होंने अपने को साबित किया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज के दौरान एक नई अंतिम ग्यारह को उतारा था। ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई। इसमें बार्टलेट, आरोन, कूपर और जेक फ्रेजर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को साबित किया है। जेक फ्रेजर ने इससे पहले आईपीएल 2024 में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

मार्श ने कहा कि हर खिलाड़ी के पास अपनी क्षमता दिखाने का अवसर था जो उन्होंने दिखायी। फ्रेजर को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बादपहले टी20आई से बाहर कर दिया गया

था। वह दूसरे टी20आई के लिए तीसरे नंबर पर टीम में लौटे और अपनी बल्लेबाजी से सभी का दिल जीता। फ्रेजर-मैकगर्क ने इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करते हुए 30 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। इस प्रकार वह पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20आई अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

मार्श ने कहा, हम सभी जानते हैं कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क कितने शानदार खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं दी हैं और यह रोमांचक रहा है। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी न किसी स्तर पर वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए युवा खिलाड़ियों को खेलते देखना आश्चर्यजनक है।

निहाल सरीन ने अलास्का नाइट्स को ग्लोबल शतरंज लीग में बढ़त दिलाई

लंदन। भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी निहाल सरीन के शानदार प्रदर्शन की मदद से पीबीजी अलास्का नाइट्स ने दूसरे दिन के खेल के बाद ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में एकल बढ़त हासिल की।

दूसरे दिन के खेल में कुछ उलटफेर भी देखने को मिले जिनमें अलीरेजा फिरोजा की विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन पर जीत भी शामिल है।

अलास्का नाइट्स ने अपने सभी तीन मैच जीते और नौ मैच प्वाइंट हासिल करके शीर्ष स्थान पर पहुंचा। दूसरी तरफ गैंजेस ग्रैंडमास्टर्स ने प्रतियोगिता के दूसरे सत्र में अभी तक अपना खाता नहीं खोला है और वह अंतिम स्थान पर है।

अलास्का नाइट्स ने शुक्रवार को अपने पहले मुकाबले में अमेरिकन गैम्बिट्स पर 14-2 से और उसके बाद मुंबा मास्टर्स पर 8-5 से जीत हासिल की। मुंबा मास्टर्स के खिलाफ मुकाबला बेहद रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था लेकिन सरीन ने रौनक साधवानी को हराकर अलास्का नाइट्स को महत्वपूर्ण जीत दिलाई।अंक तालिका में उसके बाद मुंबा मास्टर्स, त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स, अल्पाइन एसजी पाइपर्स और अमेरिकन गैम्बिट्स का नंबर आता है। इन सभी के तीन-तीन मैच प्वाइंट हैं। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली गैंजेस ग्रैंडमास्टर्स को अभी तक अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

मयंक की फॉर्म और फिटनेस की होगी परीक्षा

ग्वालियर। भारत और बांग्लादेश के बीच सोमवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला में अपनी तेज गेंदबाजी के कारण क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले मयंक यादव की फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी जबकि अन्य युवा खिलाड़ियों के पास भी अपनी चमक बिखेरने का यह शानदार मौका होगा।

मयंक ने इस साल के शुरू में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान लगातार 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था लेकिन पसलियों में खिंचाव के कारण उन्हें टूर्नामेंट के बीच से ही हटना पड़ा था।

अमूमन किसी भी खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करनी पड़ती है लेकिन 22 वर्षीय मयंक को उनके विशेष कौशल के कारण भारतीय टीम में जगह दी गई है।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में उनकी फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी। अभी यह देखना होगा कि उन्होंने जिस सटीकता और नियंत्रण के साथ आईपीएल में गेंदबाजी की थी वह उसी की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं।

मयंक के अलावा बांग्लादेश के खिलाफ इस श्रृंखला में दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश कुमार को भी भारत की तरफ से पदार्पण का मौका मिल सकता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम में शामिल दो बड़े नाम हैं। उनके अलावा टी20 विश्व कप की विजेता टीम में शामिल रहे शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह को भी इस श्रृंखला के लिए टीम

में चुना गया है।

सीनियर खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के कारण अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के पास अपना कौशल दिखाने का यह बेहतरीन मौका है। अभिषेक ने जिंबॉब्वे के खिलाफ शतक लगाया था। बांग्लादेश के खिलाफ उनके साथ संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

रियान पराग को जुलाई के बाद भारत की तरफ से छह टी20 मैच में खेलने का मौका मिला है लेकिन वह इनमें आईपीएल जैसी फॉर्म नहीं दिखा पाए।

स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी इस श्रृंखला से वापसी करेंगे। रवि बिश्नोई टीम में शामिल दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर हैं।

रिजर्व विकेटकीपर के रूप में चुने गए जितेश शर्मा ने जून में आईपीएल के बाद कोई मैच नहीं खेला है। उन्हें अभी तक जिन नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने का मौका मिला है उनमें वह अपना जलवा दिखाने में नाकाम रहे हैं।

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ इन तीन मैच के बाद अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। उस श्रृंखला के लिए भी भारत के सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि तब भारतीय टीम टेस्ट श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर होगी।

जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उसे अपने स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना खेलने की आदत डालनी होगी। शाकिब ने पिछले महीने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी।

सुनहरी आवाज़ वाला बाइकर: इंडियन आइडल पर 'कैसे हुआ' पर इप्सित पति के दमदार परफ़ॉर्मेंस के बाद बादशाह ने उसे 'सुरों का स्ट्राइकर' कहा

भारत का सबसे बड़ा सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर अपना बहुप्रतीक्षित सीज़न 15 लेकर वापस आ गया है ! ऑडिशन शुरू होने के साथ, स्पॉटलाइट उन प्रतियोगियों पर है, जिन्हें इस प्रतिष्ठित मंच पर और इसके बाद की ज़िंदगी में मिलने वाले अनन्य अवसरों को हासिल करने के लिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना होगा। असाधारण आवाज़ों और सम्मोहक कहानियों की तलाश में, इस सीज़न के जज पैनल में बहुचर्चित रैपर बादशाह, दिल छूने वाली आवाज़ की मलिका श्रेया घोषाल और प्रशंसित संगीतकार/कलाकार विशाल ददलानी शामिल हैं। साथ मिलकर, वे भारत के अगले सिंगिंग सेंसेशंस की तलाश में हैं।

कई असाधारण प्रतियोगियों में से एक हैं भुवनेश्वर के इप्सित पति, जो एक ट्रैवल व्लॉगर और भगवान शिव के भक्त हैं। इप्सित ने भुवनेश्वर से त्र्यंबकेश्वर तक के अपने आध्यात्मिक और साहसिक सफर की शुरुआत की थी, जिसके बाद वह अपने ऑडिशन के लिए फिर मुंबई पहुंचे। अपने परफ़ॉर्मेंस से पहले एक खुशनुमा बातचीत के दौरान, बाइकिंग के प्रति अपने साझा जुनून के कारण इप्सित और विशाल ददलानी के बीच बहुत अच्छी ट्यूनिंग बन गई। विशाल ने अपने शुरुआती बाइकिंग के दिनों को बड़ी खूबी से याद किया, जबकि इप्सित ने खुलासा किया कि उनके आध्यात्मिक सफर को डॉक्यूमेंट करने वाला उनका व्लॉग अधूरा है, और अपने अंतिम अध्याय की प्रतीक्षा में है।

जब इप्सित ने फिल्म 'कबीर सिंह' से 'कैसे हुआ' पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी, तो उनकी गायन कुशलता ने जजों को हैरान कर दिया। उनके परफ़ॉर्मेंस ने रूम को मंत्रमुग्ध कर दिया, और जज उनकी भावनात्मक आवाज़ पर मोहित हो गए।

बादशाह उनसे खासतौर पर प्रभावित थे। उन्होंने कहा, "जब आपने गाया, तो ऐसा लगा जैसे यह आपका अपना गाना है। आपने इसे पूरी तरह अपना बना लिया। यह मेरे पसंदीदा गानों में से एक है, और आपने इसे बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत किया है।" उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, "कहने को है बाइकर, लेकिन है 'सुरों का स्ट्राइकर'।"

श्रेया घोषाल ने भी उनकी तारीफ करते हुए स्वीकार किया, "मुझे लगा था कि आप एक एडवेंचरर हैं, जो संगीत को लेकर भी जुनूनी है। लेकिन आपकी आवाज़ ही आपकी असली पहचान है। आप इस गाने से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं, और वह भावना हर नोट में झलकती है। आप किसी हीरो की आवाज़ नहीं हैं, आपकी आवाज़ ही असली हीरो है।"

'कौन बनेगा करोड़पति 16' में, अमिताभ बच्चन ने पालतु पशुओं और अपनी पोती नव्या नवेली नंदा के कुत्ते 'एल्फी' के बारे में खुलकर बात की

महानायक अमिताभ बच्चन की मेज़बानी में, 'कौन बनेगा करोड़पति' का 16वां सीज़न अपने दिलचस्प गेमप्ले और दिल छूने वाले पलों से निरंतर दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले एक आगामी एपिसोड में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्पेशलाइज़ेशन कर रहे, बेंगलुरु निवासी कंप्यूटर साइंस की तीसरे वर्ष की छात्रा अनन्या विनोद हॉटसीट की शोभा बढ़ाएंगी।

टेक्नोलॉजी के भविष्य को आगे बढ़ाने वाली फील्ड, एआई के प्रति अनन्या के समर्पण से अमिताभ बच्चन अच्छे खासे प्रभावित हुए। उन्होंने उनके प्रयासों की तारीफ की और इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि अनन्या जैसे युवा अत्याधुनिक क्षेत्रों में भारत की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उनका मानना है कि अनन्या जैसे विद्यार्थी कल की डिजिटल दुनिया के रचनाकार हैं, और उन्होंने उत्कृष्टता पाने के निरंतर प्रयास के लिए उन्हें प्रोत्साहन दिया।

इसके अलावा, एक खुशनुमा बातचीत के दौरान, अनन्या ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि क्या उनके पास कोई पालतू पशु है, जिस पर अमिताभ बच्चन ने एक किस्सा याद करते हुए बताया, "मेरे पास एक कुत्ता था, लेकिन जब वह गुज़र गया, तो उस दुख से उबरना बहुत मुश्किल था। उसके बाद और अधिक पालतू पशु लाने में काफी अजीब लगता था, और जया ने मुझसे कहा कि मैं अब कोई और कुत्त न लाऊं, क्योंकि जब वे हमें छोड़कर चले जाते हैं तो इससे बहुत दुख होता है।

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868